

सम्पादकीय

बेटियां भी होने लगीं 'ऐसी'!

इन दिनों बहुत सी खबरें ऐसी आती हैं, आसपास की घटनाएं भी दिखाई देती हैं कि असें से जो बातें सुनते आ रहे हैं, उनसे विश्वास हट जाता है। लगता है कि या तो समय बहुत बदल गया है, अथवा हम चीजों को ठीक से नहीं देख पा रहे हैं। अक्सर सुनते आए हैं कि बेटों के मुकाबले बेटियां अपने माता-पिता का ज्यादा ध्यान रखती हैं। वे अधिक जिम्मेदार और इमोशनल होती हैं। हालांकि यह भी कहा जाता है कि जब ये बेटियां ही बहु बनती हैं, तो ससुराल में सास-ससुर इन्हें जरा नहीं सुहाते। एक इमोशनल लड़की बहू बनते ही इतनी कठोर कैसे हो जाती है? हालांकि किसी भी बात का जनरलाइजेशन नहीं किया जाना चाहिए। ऐसी भी बहुत होती हैं जो ससुराल में बहुत प्यार से रहती हैं। और ऐसी सास भी होती हैं, जो अपनी बहुओं को बहुत प्यार करती हैं। हालांकि यह भी सच है कि जिसकी चल जाए, जिसके हाथ में सत्ता हो, वही दूसरे को सताता है। कभी सास, तो कभी बहू, तो कभी बेटा। विमर्श अक्सर एक ही झाड़ू से सबको सकेर देते हैं। स्त्री विमर्श ने भी इस अवधारणा को बल दिया है कि लड़कों के मुकाबले लड़कियां अपने माता-पिता की देखभाल करती हैं, जबकि उनके जन्म पर अक्सर कोई खुशी नहीं मनाई जाती।

यूं वक्त के साथ बहुत कुछ बदल रहा है। लोग लड़कियों के जन्म पर बड़ी-बड़ी दावते दे रहे हैं। कई-कई गांवों को न्यौत रहे हैं। कन्या के घर आने पर बँड-बाजे बजाकर स्वागत कर रहे हैं। तो बात हो रही है कि लड़कियां अपने घर वालों की ज्यादा देखभाल करती हैं, उनसे अधिक जुड़ाव महसूस करती हैं लेकिन इन दिनों ऐसी खबरें भी आती रहती हैं, जिनसे इस अवधारणा के उलट बातें भी दिखाई देती हैं। कुछ दिन पहले की खबर तो आप में से अधिकारश ने पढ़ी ही होगी। तीन बेटियों के पिता वृद्धाश्रम में रहते थे। पत्नी की मृत्यु हो चुकी थी। वह बेटियों की बाट जोहते रहते थे कि कभी तो कोई उनसे मिलने आए लेकिन कोई उनसे मिलने नहीं आता था। लड़कियां अक्सर टाइम न होने की बात कह देती थीं। फिर एक दिन इन बुजुर्ग की मृत्यु हो गई। वृद्धाश्रम के अधिकारियों ने तीनों बेटियों से सम्पर्क किया लेकिन तीनों की तीनों ने आने से मना कर दिया। मुम्बई में रहने वाली लड़की ने अंतिम संस्कार ऑनलाइन देखा और बार-बार पृछती रही कि और कितना समय लगेगा। अस्थि चुनने के लिए भी लड़कियां नहीं आईं। इस घटना की मीडिया में बहुत चर्चा भी हुई। हाल ही में एक और घटना पढ़ी। एक पिता की 5 बेटियां थीं। खुद अशिक्षित होते हुए भी उन्होंने बेटियों को खूब पढ़ाया-लिखाया। उनका विवाह कर दिया। फिर इन बुजुर्ग को लगा कि जीवन का पता नहीं, कितने दिन का है, इसलिए जिस मकान में रहते हैं, उसे अपनी बेटियों के नाम कर दें। उन्होंने अपनी छोटी बेटी से इस बारे में बात की। बेटी ने कहा कि वह सब करा देगी। पिता बिल्कुल चिंतित न हों। लड़की ने वसीयत तैयार करा दी। फिर यह कहकर पिता के साथ आकर रहने लगी कि वह उनकी देखभाल करना चाहती है। पिता ने उससे कहा कि वो वसीयत तैयार हुई है, उसे दिखा तो दे लेकिन लड़की हर बार कोई बहाना बना देती। पिता को शक हुआ, तो उन्होंने अपनी अन्य 4 बेटियों को इस बारे में बताया। पिता ने बेटियों की मदद से वसीयत की डुप्लीकेट प्रति प्राप्त करने के लिए आवेदन किया। वसीयत मिलने पर चारों बेटियां और पिता यह देखकर चकित रह गए कि उन्हें धोखे में रखकर, सबसे छोटी बेटी ने मकान अपने नाम करा लिया था। इसलिए अनेक बार मांगने पर भी उसने वसीयत नहीं दिखाई। यही नहीं, मकान में कोई और न रहने आ जाए, इस कारण वह खुद परिवार समेत वहां आकर रहने भी लगी। मजबूर होकर पिता ने अन्य 4 बेटियों के साथ मिलकर वसीयत खारिज कराने का दावा किया।लेकिन जैसा होता है, इस मामले में किसी न किसी कारण से देर होती गई। खैर, एक दुखी पिता की जीत हुई लेकिन मृत्यु के बाद, छोटी लड़की को मकान से फौरन बाहर करने का आदेश भी आया लेकिन न्याय मिला भी तो बुजुर्ग की मृत्यु के बाद। पिता ने नई वसीयत भी तैयार कराई थी, जिसमें छोटी बेटी को हर अधिकार से बेदखल कर दिया गया।

इस पूरी घटना ने यही सबक तो दिया, जिसके बारे में बुजुर्ग पहले से ही कहते आए हैं कि लालच का न कोई रिश्ता होता है, न कोई धर्म। बल्कि लालची व्यक्ति की आंखों पर ऐसी पट्टी बंध जाती है, जो उसे सही-गलत नहीं देखने देती। ऐसे में न मां मां है, न पिता पिता, न ही कोई भाई-बहन, नाते, रिस्तेदार रगा है। इसीलिए कई बार जमीन, जायदाद, रुपए, पैसे के मामले में अपने ही अपनों को मारकर रिश्तों को खत्म कर देते हैं।

28 अक्टूबर : इतिहास के पन्नों में

- 1627 मुगल सम्राट जहांगीर का निधन।

- 1851 बंगाल में ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना हुई।

- 1859 स्वामी विवेकानंद की सहयोगी तथा शिक्षिका तथा समाज सेविका सिस्टर निवेदिता का जन्म।

- 1863 जिनेवा में हुए कॉन्फ्रेंस के तहत अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति का गठन किया गया।

- 1868 थॉमस एडिसन ने अपना पहला पेटेंट इलेक्ट्रिक वोट रिकॉर्डर बनाया।

- 1886 अमेरिका के राष्ट्रपति ग्रावर क्लेवलैंड ने फ्रांस की जनता से मिले स्टेट्यू ऑफ लिबर्टी को अमेरिका को समर्पित किया।

- 1913 जैन श्वेतांबर तेषास्थी सभा की स्थापना हुई।

- 1918 ऑस्ट्रिया और हंगरी के अलग होने के बाद चेकोस्लोवाकिया स्वतंत्र हुआ।

- 1954 अमेरिकी लेखक अर्नेस्ट हेमिंग्वे को साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला।

- 1955 अमेरिका के कंप्यूटर प्रोग्रामर और उद्यमी बिल गेट्स का जन्म हुआ था।

- 1962 क्यूबा का मिसाइल संकट हल होने से विश्व ने राहत की सांस ली।

- 1971 ग्रेट ब्रिटेन ने प्रोस्पेरो का प्रक्षेपण किया, यह एक्स 3 उपग्रह श्रृंखला का पहला उपग्रह था।



डॉ. प्रेमप्रकाश बोराना
संकलनकर्ता
इतिहासविद्, महारानी
लक्ष्मीबाई कन्या
उमावि सराफा, उज्जैन

दैनिक राघवकीर्ति

त्यौहारी सीजन और बढ़ती महंगाई



भारत में त्यौहार सिर्फ उत्सव भर नहीं हैं, वे महत्वपूर्ण परंपराएं हैं। इस दौरान परिवार अक्सर नए कपड़ों, मिठाइयों, सजावट और उपहारों पर काफी खर्च करते हैं। हालांकि, बढ़ती कीमतें और मुद्रास्फीति उपभोक्ताओं को अपने बजट और खरीदारी की आदतों को समायोजित करने के लिए मजबूर कर रही हैं। कई परिवार छोटे पैमाने पर त्यौहार मनाने का विकल्प चुन रहे हैं और छूट व सौदों की तलाश में हैं। मौसम के अनियमित मिजाज के कारण प्याज, लहसुन और अदरक जैसी प्रमुख खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल आया है।

इसके अलावा, वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं और भारतीय रुपया कमजोर हो रहा है। इससे परिवहन और खनिज तेल की लागत बढ़ गई है, जहां थोक खनिज तेल की कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक हैं। कोर मुद्रास्फीति बढ़कर 4.6 प्रतिशत हो गई है, जिससे खाद्य पदार्थों, ईंधन, सेवाओं और वस्तुओं की कीमतें प्रभावित हो रही हैं। मुद्रास्फीति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए केवल मौद्रिक नीति ही पर्याप्त नहीं, इसके लिए तरलता प्रबंधन, करों के समायोजन और कृषि व आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार सहित समन्वित राजकोषीय उपायों की भी आवश्यकता है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर में 25 आधार अंकों की वृद्धि कर इसे 5.50 प्रतिशत कर दिया है। यह लगभग 4 वर्षों में पहली ब्याज दर वृद्धि है। 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' से 'न्यूट्रल' की ओर रुख यह दर्शाता है कि निकट भविष्य में दरों में कटौती

की संभावना कम है। पश्चिम एशिया के संघर्ष और कमजोर मानसून के कारण बढ़ती खाद्य कीमतों ने मुद्रास्फीति की चिंताओं को बढ़ा दिया है। परिणामस्वरूप, अगले एक वर्ष में 100 से अधिक आधार अंकों की अतिरिक्त दर वृद्धि की उम्मीद की जा रही है। सितम्बर में, थोक मुद्रास्फीति अगस्त के 9.92 प्रतिशत से बढ़कर 11.39 प्रतिशत हो गई, जो मुख्य रूप से तेल की कीमतों में 57.32 प्रतिशत की वृद्धि से प्रेरित थी। आर.बी.आई. प्रमुख संजय मल्होत्रा ने कहा कि भविष्य में दरों में बढ़ौतरी आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति के रझानों पर निर्भर करेगी। एक प्रमुख सवाल यह बना हुआ है कि सितम्बर में आपूर्तिकर्ताओं द्वारा स्वीकार की गई कीमतों में बढ़ौतरी का कितना असर उपभोक्ता कीमतों और बिजली के बिलों पर पड़ेगा। त्यौहारी सीजन के दौरान आर्थिक चुनौतियां बिक्री पर निर्भर छोटे व्यवसायों को प्रभावित कर सकती हैं। बढ़ती कीमतें लाभ मार्जिन को कम कर सकती हैं लेकिन वे हस्तनिर्मित वस्तुओं के मूल्य को भी रेखांकित करती हैं। अनूटे और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की पेशकश करके स्थानीय विक्रेता प्रामाणिकता चाहने वाले उपभोक्ताओं को आकर्षित कर सकते हैं।

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की समस्याओं और घरेलू नीतियों ने भारत में मुद्रास्फीति को काफी प्रभावित किया है। सितम्बर 2023 में, भारतीय रिजर्व बैंक ने 6.2 प्रतिशत की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सी.पी.आई.) मुद्रास्फीति दर दर्ज की, जो उसके 2-6 प्रतिशत के लक्ष्य दायरे से अधिक थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से खाद्य, ईंधन और आवश्यक वस्तुओं

की ऊंची कीमतों के कारण हुई, जिसमें खाद्य मुद्रास्फीति लगभग 7.8 प्रतिशत थी। हालिया पहलों में रसोई गैस और अनाज जैसी आवश्यक वस्तुओं पर कर कटौती और सबसिडी शामिल रही है। त्यौहारी सीजन से पहले स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफ.सी.आई.) ने खरीद प्रयासों को तेज कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) ने 2026-27 के लिए 7.1 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान लगाया है, जिसमें खुदरा मुद्रास्फीति 5.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। हालांकि, अक्तूबर से दिसम्बर तक वर्ष की अंतिम तिमाही में मुद्रास्फीति बढ़कर 6 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। आर.बी.आई. प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि अर्थव्यवस्था मजबूत होने के बावजूद बढ़ती मुद्रास्फीति चिंता का विषय बनी हुई है। खुदरा विक्रेता बंडलड डीलर्स और आवश्यक वस्तुओं पर छूट के माध्यम से पैसे के सही मूल्य (वैल्यू फॉर मनी) पर जोर देकर इन आर्थिक रझानों के अनुकूल ढल रहे हैं। इस दृष्टिकोण ने मध्यम श्रेणी के उत्पादों की बिक्री में 15 प्रतिशत की वृद्धि की है, जबकि विलासिता की वस्तुओं की मांग में गिरावट आई है। स्थानीय बाजार और कारीगर इन आर्थिक चुनौतियों से जुझ रहे हैं, जहां त्यौहारी सीजन उनके वार्षिक राजस्व का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा होता है। इंस्टाग्राम और पिंटरेस्ट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ऐसे सुझावों से भरे पड़े हैं जो इस दौरान रचनात्मकता और साधन संपन्नता को बढ़ावा देते हैं।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने उपभोक्ताओं को मूल्य प्रवृत्तियों के बारे में जागरूक करने और खरीदारी संबंधी दिशा-निर्देश प्रदान करने के लिए अभियान शुरू किए हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि आर्थिक चुनौतियां उत्सवों के रंग में खलल न डालें। शिपिंग में व्यवधान, उर्वरक की ऊंची लागत और अल नीनो के प्रभावों के कारण 2027 तक वैश्विक खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका है। इंडोनेशियाई चावल और भारतीय चीनी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं और मिश्र की रोटी की कीमतों में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। घटते भंडार और बढ़ते आयात से कीमतों में और बढ़ौतरी होने का अनुमान है। अपनी नवीनतम रिपोर्ट में, आर.बी.आई. ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच मुद्रास्फीति दरों में अंतर को रेखांकित किया, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च मुद्रास्फीति देखी गई। इन समस्याओं के समाधान के लिए सब्सिजियों जैसी खाद्य हने वाली वस्तुओं के भंडारण, प्रसंस्करण और वितरण बुनियादी ढांचे में सुधार करना अनिवार्य है। इसके अलावा, घरेलू तिलहन उत्पादन बढ़ाकर खाद्य तेल के आयात पर निर्भरता कम करना महत्वपूर्ण है। कृषि, लॉजिस्टिक्स और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों की बाधाओं को दूर करना आवश्यक है। औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच का विस्तार करने से अनौपचारिक क्षेत्र में कीमतों की अस्थिरता को कम करने में भी मदद मिल सकती है। इन चुनौतियों के बीच, उपभोक्ता और व्यवसाय त्यौहारी सीजन के दौरान अपने लचीलेपन और रचनात्मकता का प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं?

ई.एस.टी.आई.सी.-2026 - विज्ञान और विकसित भारत की आकांक्षाएं

“समाज में परिवर्तन लाने का सबसे महत्वपूर्ण आधार मुख्य रूप से विज्ञान से ही आएगा।” 28 फरवरी, 2006 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में ये शब्द कहे थे। लगभग 2 दशक बाद डा. कलाम के ये शब्द पूरी तरह सही साबित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तकनीक आधारित विकास को गति देते हुए 'विकसित भारत' की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत की इस प्रगति पर पूरी दुनिया का ध्यान गया है और उसने इसे स्वीकार भी किया है।

विज्ञान का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि हम क्या खोजते हैं, बल्कि इस बात में भी है कि हमारी खोजें देश के लोगों के लिए क्या-क्या संभव बनाती हैं। वैज्ञानिक प्रगति का वास्तविक मूल्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाने, समस्याओं का समाधान करने और नए अवसर पैदा करने की उसकी क्षमता में निहित है। भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षाएं केवल आर्थिक विकास और आधुनिक बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं हैं। इनमें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, अधिक उत्पादक कृषि, मजबूत उद्योग, युवाओं के लिए अधिक अवसर और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सुधार भी शामिल हैं।

इन सभी आकांक्षाओं को पूरा करने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि हम जो ज्ञान विकसित करें, वह सार्थक बदलाव लाने का माध्यम बने। यह हमारे विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन (ई.एस.टी.आई.सी.) 2026 का व्यापक उद्देश्य है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उनके व्यावहारिक उपयोग के बीच संबंधों को और मजबूत करना है। यह सम्मेलन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के अग्रणी लोगों, स्टार्टअप से जुड़े उद्यमियों और युवा शोधकर्ताओं को एक साझे राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए एक मंच पर लाता है। हमारे सामने कुछ सबसे महत्वपूर्ण सवाल ऐसे हैं, जिनका समाधान तत्काल आवश्यक है। वैज्ञानिक प्रगति किसानों की उत्पादकता बढ़ाने में किस तरह मदद कर सकती है? अनुसंधान के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी कैसे बनाया



जा सकता है? भारतीय उद्योग उन्नत प्रौद्योगिकियां कैसे विकसित कर सकते हैं, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कैसे कर सकते हैं और महत्वपूर्ण वस्तुओं के आयात पर निर्भरता कैसे कम कर सकते हैं? अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर कैसे पैदा किए जा सकते हैं? ई.एस.टी.आई.सी.-2026 इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 12 विषयगत क्षेत्रों पर केंद्रित है। इनमें उन्नत विनिर्माण, ऊर्जा प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, महासागर विज्ञान एवं समुद्री प्रौद्योगिकी, कंट्रिम संचार, सैमीकंडक्टर, कृषि प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, उन्नत स्वास्थ्य सेवा, इमर्सिव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान शामिल हैं। सैमीकंडक्टर के क्षेत्र में प्रगति भारत की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत कर सकती है। जैव प्रौद्योगिकी में अनुसंधान स्वास्थ्य सेवाओं और विनिर्माण के क्षेत्र में नए रास्ते खोल सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स में होने वाले विकास औद्योगिक प्रक्रियाओं को बदल सकते हैं, जबकि कृषि और ऊर्जा के क्षेत्र में वैज्ञानिक कार्य अधिक कुशल एवं टिकाऊ कार्यप्रणालियों को बढ़ावा दे सकते हैं। भारत की वैज्ञानिक महत्वाकांक्षाएं अंततः उसके युवाओं की प्रतिभा और कल्पनाशीलता पर निर्भर करेंगी। किसी युवा शोधकर्ता के पास कोई संभावनाशील विचार है, तो उसे उसको प्रस्तुत करने, अनुभवी वैज्ञानिकों से सीखने और ऐसे लोगों से जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए, जो उस विचार को उपयोगी रूप देने में मदद कर सकें।

ई.एस.टी.आई.सी.-2026 'फंटीयरस इन फोकस' सत्रों और 'यंग रिसर्चर्स एंड इनोवेटर्स पिच कॉर्नर' के माध्यम से इस प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है। 'नैक्स्ट-जेन डिस्कवरी एक्सपो' में भारत की अनुसंधान

क्षमताओं और उभरते डीप-टेक तंत्र को प्रदर्शित किया जाएगा, जबकि 'इनोवेशन एक्सचेंज हब' तकनीकों और संभावित सहयोग के अवसरों पर संवाद को बढ़ावा देगा। वैज्ञानिक अनुसंधान और उद्यमिता को तेजी से एक-दूसरे का पूरक बनना होगा। विशेष रूप से डीप-टेक उद्यमों को किसी तकनीक को बाजार तक पहुंचाने से पहले अक्सर विशेष बुनियादी ढांचे, धैर्य के साथ किए जाने वाले निवेश और निरंतर सहयोग की आवश्यकता होती है। अनुसंधान संस्थानों के पास वैज्ञानिक विशेषज्ञता है, स्टार्टअप उद्यमशीलता की ऊर्जा लेकर आते हैं, उद्योग जगत उत्पादन संबंधी आवश्यकताओं और बाजार की जरूरतों को समझता है, जबकि निवेशक इस पूरी प्रक्रिया के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कर सकते हैं। जब ये सभी क्षमताएं एक साथ आती हैं, तो अनुसंधान को उपयोगी उत्पादों और सेवाओं में बदलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

विकसित भारत/2047 की यात्रा का निर्माण केवल सरकार के प्रयासों से नहीं हो सकता। न ही इसे वैज्ञानिक अनुसंधान के अलग-थलग प्रयासों के माध्यम से हासिल किया जा सकता है। इसके लिए अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, उद्योग जगत, उद्यमियों और युवा नवाचारकर्ताओं के संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है। डा. कलाम के शब्द आज भी हमें याद दिलाते हैं कि विज्ञान का अंतिम उद्देश्य समाज की सेवा करना होना चाहिए। यही ई.एस.टी.आई.सी.-2026 के पीछे की व्यापक आकांक्षा है। भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं को उसके लोगों की जरूरतों के और करीब लाना तथा नवाचार की संभावनाओं को राष्ट्र की प्रगति में बदलना।

आज का मन्त्र

गं गाणपतये नमः

श्रद्धालु यथाशक्ति जप करें एवं लाभ प्राप्त करें।

विशेष परामर्श के लिए सम्पर्क करें।

आचार्य राघवकीर्ति गणेश

मो. 9755910000

॥ जय गणेश ॥



दैनिक राशिफल



मेष : अचानक कहीं से धन की प्राप्ति होगी। परिवार में सबकी जरूरतें पूरी होंगी।



वृषभ : संतान की तरफ से कोई शुभ समाचार मिलेगा। किसी आर्थिक उद्देश्य प्राप्ति के लिए जनसंपर्क और चर्चाएं होंगी।



मिथुन : तर्क बुद्धि से सफलता संभव है। संतान के संबंध में चर्चा करने में सावधानी रखें। विरोधियों का सामना करना पड़ेगा।



कर्क : नौकरी या बिजनेस में स्थिति आपके अनुकूल रहेगी। परिवार में भी सब कुशल-मंगल रहेगा।



सिंह : जायदाद के मामले में कोई ठोस फैसला लेना पड़ सकता है। भाग्य साथ देता रहेगा। अंधेरे कांधे पुरे होंगे।



कन्या : आरंभ में मामल सुख-साधन मिलेंगे, जो आपकी पहुंच और अधिकार क्षेत्र में आते हैं।



तुला : व्यापार में भी प्रतिगामी अनुबंध और नए कार्यों के प्रति जिज्ञासा फलीभूत होगी। धन-लाभ की भी संभावना है।



वृश्चिक : आपके बढ़ते वैभव और पराक्रम को देखकर लोग ईर्ष्या करेंगे। कई प्रकार के आर्थिक फायदे मिलने की उम्मीद है।



धनु : राजकीय पक्ष से सहायता और आशानस मिलेंगे। सज्जनों और उच्चाधिकारियों से भी मुलाकात होगी।



मकर : संतान और मित्रजनों से धन-लाभ और सम्मान की आशा रहेगी। व्यापार में लाभ होगा।



कुंभ : पार्टनर के साथ अच्छा तालमेल बना कर रखना चाहिए, इससे व्यापारी वर्ग को लाभ होगा।



मीन : नौकरी में आवेदन भरने वालों को शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है। रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है।

आचार्य राघवकीर्ति 'गणेश'

(ज्योतिष-वास्तु-यज्ञकर्ता और आध्यात्मिक विषय प्रवर्तक)

9755910000

www.jyotishvastu.com

जनसुनवाई में 150 आवेदनों पर हुई सुनवाई

कलेक्टर सभागार में जिलेभर से पहुंचे आवेदक, अधिकारियों ने सुनी समस्याएं



उज्जैन (राधवकीर्ति)। मंगलवार को सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन स्थित कलेक्टर सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिलेभर से आए आवेदकों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रखीं। अधिकारियों ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदनों पर तत्काल उचित कार्रवाई करने तथा निर्धारित समय-सीमा में

प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक, अपर कलेक्टर शाश्वत शर्मा एवं एडीएम अल्लेंद्र सिंह गुर्जर ने आवेदकों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 150 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में महिदपुर तहसील के ग्राम बालोदा निवासी बट्टीलाल

पिता कालूजी ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि वर्ष 2025 में सोयाबीन की फसल खराब होने के बावजूद उन्हें राहत राशि प्राप्त नहीं हुई है। अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक ने प्रकरण को तत्काल एसडीएम महिदपुर को भेजते हुए उचित कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी प्रकार उज्जैन तहसील के ग्राम हमीरखेड़ी निवासी दिनेश पिता राधेश्याम पटेल ने शिकायत प्रस्तुत की कि उनके घर के सामने स्थित मार्ग पर गांव के कुछ लोगों द्वारा गोबर

एवं भूसा डालकर अतिक्रमण करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रकरण के निराकरण के लिए एसडीएम ग्रामीण को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। घट्टिया तहसील के ग्राम बिछड़ौद खालसा निवासी डालचंद पिता फूलचंद जैन ने नल-जल योजना के तहत आवेदन करने के बावजूद नल कनेक्शन नहीं दिए जाने की शिकायत की। वरिष्ठ अधिकारियों ने आवेदन को कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य



यांत्रिकी विभाग को भेजते हुए नियमानुसार कार्रवाई कर समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्राम बौलखेड़ा नाऊ, झारड़ा निवासी उदाजी पिता माकन जी ने बताया कि जिस शासकीय भूमि पर वे खेती करते थे, उसके सर्वे में किसी अन्य व्यक्ति का नाम दर्ज हो गया है। उन्होंने परिवार के भरण-पोषण के लिए उक्त शासकीय भूमि का पट्टा दिए जाने का अनुरोध किया। मामले में संबंधित अधिकारियों ने प्रकरण

झारड़ा तहसीलदार को भेजकर नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए। इसी तरह महिदपुर तहसील के ग्राम चौरवासा निवासी गोरधन सिंह पिता धूलसिंह ने शिकायत करते हुए बताया कि तहसीलदार न्यायालय द्वारा घर के सामने रास्ते से अवैध कब्जा हटाने के आदेश दिए जाने के बावजूद हल्का पटवारी द्वारा कार्रवाई नहीं की गई। वहीं राजेंद्र पिता स्वर्गीय मांगीलाल हिरवे, निवासी श्रीकृष्ण कालोनी, अंकपात मार्ग, उज्जैन ने

ग्राम जवासिया सॉलकी, तहसील महिदपुर स्थित उनकी स्वामित्व की भूमि से कब्जा हटाने के आदेश की शिकायत की। दोनों प्रकरणों में संबंधित तहसीलदारों को नियमानुसार कार्रवाई कर प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में श्रीमती श्यामा बाई पति श्री रमेशचंद्र, निवासी उन्हेल ने आवास योजना का लाभ दिलाने का अनुरोध किया। वहीं ग्राम डेलची बुजुर्ग,

तहसील महिदपुर निवासी रामलाल पिता लक्ष्मण जी ने राशन कार्ड बनवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। दोनों आवेदनों पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए तथा प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के लिए कहा।

ताजपुर के ग्राम उण्डासा आंगनवाड़ी केन्द्र पर नियमित टीकाकरण सत्र का औचक निरीक्षण किया गया

उज्जैन (राधवकीर्ति)। नियमित टीकाकरण सेवाओं की बेहतर प्रदायगी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग ब्रजेश त्रिपाठी ने 27 अक्टूबर को ताजपुर के ग्राम उण्डासा स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र का संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया।



निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्र पर आयोजित टीकाकरण सत्र का अवलोकन किया गया। टीकाकरण हेतु आए नवजात शिशुओं के वजन करने की प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने क्षेत्र के सभी बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पूर्ण टीकाकरण समय पर सुनिश्चित करने तथा इसकी प्रविष्टि यूनियन पोर्टल पर करने के निर्देश दिए।

गर्भवती महिलाओं के ए.एन.सी. पंजीयन संबंधी डेटा में एकरूपता बनाए रखने तथा हार्डरेक गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनका पूर्ण प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। आधार से समग्र अपडेशन शत-प्रतिशत पूर्ण करने, शत-प्रतिशत पात्र

नागरिकों के आयुमान कार्ड बनाने तथा बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी जारी किए गए। यथासमय डिलीवरी अपडेशन करने सहित सी.एम. हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों का त्वरित निराकरण करने, सुमन पंचायत के प्रभावी क्रियाव्ययन हेतु आवश्यक कदम

उठाने तथा क्षेत्र के कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती करवाकर पूर्ण स्वास्थ्य लाभ दिलाने एवं डिस्चार्ज के पश्चात नियमित फॉलोअप लेने के निर्देश दिए गए। साथ ही क्षेत्र की समस्त गर्भवती महिलाओं से निरंतर समन्वय रखकर उनका संस्थागत प्रसव सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी, जिला कार्यक्रम अधिकारी ब्रजेश त्रिपाठी, खण्ड चिकित्साधिकारी डॉ. नवीन पवार, विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक बलराज उज्जैनिया, बी. ई. ई. प्रदीप बेरागी के अतिरिक्त महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका उपस्थित थीं।

उज्जैन (राधवकीर्ति)। उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के आचार्य विद्यासागर पीठ एवं शोध संस्थान ने शरद पूर्णिमा और आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज की जन्म जयंती के अवसर पर एक ऑनलाइन ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ मध्यप्रदेश से भी 300 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को आचार्यश्री के प्रेरणादायी जीवन, उनके साहित्य, विचारों और समाजहित में किए गए कार्यों से परिचित कराना था। प्रतियोगिता के परिणाम तय करने के लिए सबसे ज्यादा अंक लाने वाले शीर्ष प्रतिभागियों का टेलीफोनिक साक्षात्कार लिया गया, जिसमें प्रतिभा स्थली की दीदी ने आचार्यश्री के दर्शन और योगदान से जुड़े सवाल पूछे। इस आधार पर विजेताओं की अंतिम सूची तैयार की गई, जिसमें बुढ़ार (शहडोल) की अर्चना जैन ने पहला, रायपुर के सोहिल जैन ने दूसरा और बीना के अर्चित जैन ने तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा, उज्जैन की श्वेता जैन को पहला और देहरादून की पारुल जैन को दूसरा सांत्वना पुरस्कार मिला।

उज्जैन (राधवकीर्ति)। उज्जैन स्मार्ट सिटी की सीईओ डॉ. नेहा जैन द्वारा CITIUS 2.0 परियोजना के अंतर्गत आगामी सिंहस्थ महापर्व में आने वाले श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों की सुविधाओं तथा प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित गाबेंज ट्रांसफर स्टेशन स्थलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजना से जुड़े सभी आवश्यक कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि सिंहस्थ के दौरान उत्पन्न होने वाले कचरे के वैज्ञानिक संग्रहण, परिवहन एवं निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने स्थल चयन, आवश्यक आधारभूत संरचना एवं कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियाव्ययन पर विशेष जोर दिया। सीईओ डॉ. जैन ने कहा कि सिंहस्थ जैसे विशाल धार्मिक आयोजन में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रस्तावित गाबेंज ट्रांसफर स्टेशन शहर में कचरा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा श्रद्धालुओं को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होंगी।



नार्मदीय ब्राह्मण समाज का शरद उत्सव एवं दशहरा मिलन कार्यक्रम संपन्न



उज्जैन (राधवकीर्ति)। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर नार्मदीय ब्राह्मण समाज का 'शरद उत्सव एवं दशहरा मिलन' का कार्यक्रम समाज की महानंदा नगर स्थित धर्मशाला पर हर्षोन्नस के साथ विगत रविवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज के विद्वान आचार्य पंडित सुरेशचंद्र चंद्रायण थे। विशेष अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी राजेश शकरगाय एवं अध्यक्षता पूर्व उपाध्यक्ष नारायण प्रसाद चौरे द्वारा की गई। अतिथियों द्वारा मां नर्मदा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ बड़ी संख्या में उपस्थित समाज

जनों द्वारा सामूहिक नर्मदाष्टक का पाठ कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अतिथियों का स्वागत समाज अध्यक्ष मनोज शर्मा एवं महिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना शकरगाए द्वारा किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी सुरेंद्र जोशी द्वारा इस अवसर पर समाज की धर्मशाला में चल रहे निर्माण हेतु रुपये एक लाख का चेक दान स्वरूप समाज अध्यक्ष को सौंपा। समस्त कार्यकारिणी द्वारा उनका सप्लीक शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण काशीनाथ गीते निमाड़ी लोकगीत मंडल दाना/ महेश्वर द्वारा निमाड़ी

लोकगीत एवं पारंपरिक गीतों की प्रस्तुति रही, जिसने उपस्थित सभी समाज जनों का मन मोह लिया। देर रात्रि तक मंडल की गंधिका श्रीमती मनीषा शास्त्री एवं उनकी पूरी टीम ने विलुप्त हो रहे लोकगीत एवं पारंपरिक गीतों की अनेक उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से कार्यक्रम आनंद और उल्लास से परिपूर्ण हो गया। अंत में डॉ. सुमित शकरगाए एवं गिरिश दत्त शर्मा द्वारा प्रायोजित अल्पाहार एवं अमृतमयी दुग्धपान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। संचालन लोकेंद्र शास्त्री एवं आभार डॉ. मनीष चौरे द्वारा व्यक्त किया गया।

मनु-शतरूपा मंदिर का अनावरण 29 को

उज्जैन (राधवकीर्ति)। भारत देश की रक्षा के लिए सनातन धर्म आगे बढ़ाने के लिए अद्भुत शिप्रा तट पर विश्व का प्रथम सास बहू प्रेम मंदिर, भाई बहन प्रेम मंदिर, मनु शतरूपा मंदिर और कर्वा चौथ माता का मंदिर है। यहां पर महिलाओं को कर्वा चौथ के दिन मां कामाख्या का सिंदूर, कपड़ा, रुद्राक्ष और सिक्का निशुल्क प्रसाद के रूप में गत 25 वर्षों से दिया जा रहा है। इस बार 29 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे कपाट खुलेंगे। इस मौके पर महामंडलेश्वर स्वामी शांति स्वरूपानंद महाराज के कर कमरों, डॉ. मनीषानंद महाराज महामंडलेश्वर रामानंदचार्य द्वारा भगवान मनु-शतरूपा मंदिर का अनावरण होगा। इस मौके पर महाकाल मंदिर के प्रमुख पुजारी रमण त्रिवेदी, राजेश त्रिवेदी, प्रदीप गुरु, महेश गुरु, राजेंद्र भारती, भाजपा प्रवक्ता और अतिथियों के सानिध्य में कार्यक्रम संपन्न होगा। यह जानकारी सोम आश्रम के संस्थापक डॉक्टर कैलाश अर्वतिका पुरी वाले दी। 29 अक्टूबर को 12 बजे भगवान मनु और शतरूपा का मंदिर का अनावरण भी होगा। विकलांगों को निशुल्क का प्रसाद माता रानी को चढ़ाने के लिए 20 वर्षों से दिया जाता है।

65 वर्षों से आयोजित हो रहे शरदोत्सव में हुए शामिल, 651 लीटर खीर की बंटी महाप्रसादी

उज्जैन (राधवकीर्ति)। योगिराज पीर मत्स्येंद्रनाथ की समाधि पर समिति द्वारा 65 वर्षों से आयोजित किए जा रहे शरदोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समाधि स्थल पहुंचकर पूजन अर्चन किया। समिति अध्यक्ष डॉ. प्रकाश रघुवंशी एवं सभी सदस्यों के विशेष आमंत्रण पर वे यहां पहुंचे थे।



इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, यूडीए अध्यक्ष डॉ. रवि सोलंकी, नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, क्षेत्रीय पार्षद हेमंत भूखू गेहलोत, पार्षद सुशील श्रीवास्त, रितेश जटिया और शानू मेहता उपस्थित थे। समिति अध्यक्ष डॉ. प्रकाश रघुवंशी ने शाली श्रीफल भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके अलावा अभिभाषक विजय पटेल, किशोर भाटी, राधेश्याम गेहलोत, मोहन राठौर, पारस गेहलोत, पंकज जादव, प्रेम गेहलोत, मनोहर गेहलोत, सत्यनारायण कछवा, मंगल कछवा, नितिन गेहलोत और रवि भाटी ने पुष्प माला पहनाकर

मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बाल योगी उमेशनाथ ने समाधि पर चादर भेंटकर स्थान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उनका स्वागत पूर्व निगम सभापति सोनू गेहलोत और पार्षद सपना जितेंद्र सांखला ने किया।

इसके पूर्व संयोजक रामप्रसाद पहलवान, अज्जू पटेल, मोहन राठौर, नामदेव समाज अध्यक्ष कृष्ण गोपाल नामदेव, अभिषेक देवड़ा, अमन गेहलोत, प्रदीप भाटी और सावन गेहलोत के नेतृत्व में भव्य चल समारोह निकाला गया। चल समारोह

के पश्चात अमित शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति दी। महंत विक्रमनाथ महाराज द्वारा महाआरती संपन्न की गई, जिसके बाद 651 लीटर खीर की महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे। उक्त जानकारी अजय गेहलोत ने दी।

सेहतमंद के लिए जरूरी होते हैं ये 6 मिनरल्स, कमी पूरी करने के लिए खाएं ये फूड्स



हमारा शरीर कई तरह के तत्वों से मिलकर बना है, जिसकी जरूरी मात्रा प्रतिदिन लेना बेहद जरूरी होता है। इससे आपका शरीर सेहतमंद और तंदुरुस्त रहता है। अपनी अच्छी हेल्थ के लिए आपको सभी तरह के मिनरल्स का सेवन करना चाहिए। इससे आपके शरीर को सही मात्रा में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की आपूर्ति भी होती है। शरीर में पाए जाने वाले मिनरल्स और खनिज से हमारे शरीर की हड्डियां मजबूत होती हैं, जरूरी हार्मोन्स का का संचार होता है, बाँडी में एसिड संतुलन बना रहता है और मसल्स कॉन्ट्रैक्शन कंट्रोल में भी मदद मिलती है। हमारे शरीर के लिए पोषक तत्वों के रूप में प्रोटीन, फैट, कार्बोहाइड्रेट और विटामिन्स की जरूरत तो होती है लेकिन उतनी ही मात्रा में मिनरल्स की जरूरत भी होती है। कई लोग खाने में जरूरी पोषक तत्वों के साथ मिनरल्स शामिल करना भूल जाते हैं। ऐसे में आप अपने खाने में इन तरीकों से ये मिनरल्स शामिल कर सकते हैं। जिससे आपको काफी फायदा हो सकता है।

इन मिनरल्स का सेवन है जरूरी



गर्भावस्था में योग करते वक्त इन बातों का रखना चाहिए ध्यान, सेहत रहेगी अच्छी

गर्भावस्था में हर रोज महिलाओं को नए अनुभव होते हैं। कुछ उन्हें खुशी देकर जाते हैं तो कभी-कभी उन्हें शरीर में होने वाली समस्याओं से गुजरना पड़ता है। गर्भावस्था में शिशु के विकास के लिए मां का स्वस्थ रहना बहुत आवश्यक होता है। गर्भावस्था की अवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही मां के साथ गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए भी नुकसानदायक हो सकती है। इस अवस्था में शरीर का खास ख्याल रखना जरूरी होता है। इस समय महिलाओं को शारीरिक के साथ-साथ मानसिक तौर पर भी स्वस्थ रहना आवश्यक होता है। डॉक्टरसं भी गर्भवती महिलाओं को खान-पान का ध्यान रखने के साथ ही हल्का व्यायाम करने की भी सलाह देते हैं क्योंकि यह वह समय है जब शरीर में कई तरह के हार्मोनल बदलाव होते हैं। इसके लिए जरूरी है कि गर्भवती महिलाओं को रोजाना कुछ आसन से योगासन करने चाहिए। गर्भावस्था के दौरान योग करने से जल्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ रहते हैं। इतना ही नहीं, योग करने से बच्चे के जन्म के दौरान आने वाली परेशानियां भी

काफी हद तक कम हो जाती हैं। ऐसे में जरूरी है कि योग करते वक्त आपको कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

कौन से आसन नहीं करने चाहिए ?

गर्भावस्था के दौरान पेट पर बल पर पड़ने वाले और पेट में खिंचाव पैदा करने वाले आसनों को नहीं करना चाहिए जैसे चक्रासन, नौकासन, भुजंगासन, हलासन, अर्धमत्स्येंद्रासन, भुजंगासन, धनुरासन आदि। इसके अलावा भी आप जो भी योगासन करें उसके बारे में अपने डॉक्टर से जरूर सलाह ले लें।

इन बातों का जरूर रखना चाहिए ध्यान-

शुरू के तीन महीने में...- गर्भावस्था के पहले तीन महीनों के दौरान खड़े रहकर किए जाने वाले आसन योगासन करने चाहिए। इनको करने से पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर में रक्त का संचार अच्छे से होता है। अकड़न भी कम हो जाती है।

1. पोटेशियम

शरीर के लिए पोटेशियम की सही मात्रा बेहद जरूरी होती है। इससे आपके शरीर में सोडियम की मात्रा संतुलित रहता है, जिसके कारण आपको हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज की परेशानी नहीं होती है। दरअसल पोटेशियम शरीर में सोडियम के साथ मिलकर एक इलेक्ट्रोलाइट की तरह काम करता है जिससे शरीर के फ्लूइड की मात्रा सही बनी रहती है। इससे हाई ब्लड प्रेशर, हार्टबीट, नर्व इम्पल्स और सिरदर्द आदि की दिक्कत नहीं होती है। इसके लिए आप अपनी डाइट में नारियल पानी, केला, दूध, मछली और दाल को शामिल कर सकते हैं। इससे आपको काफी लाभ मिल सकते हैं।

2. फॉस्फोरस

फॉस्फोरस शरीर के लिए दूसरा सबसे महत्वपूर्ण मिनरल है। ये आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए काफी जरूरी है। यह हड्डियों में कैल्शियम फॉस्फेट के रूप

में पाया जाता है। यह आपके दांतों को मजबूत बनाने और हड्डियों को बीमारियों से दूर रखने के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इसकी कमी से आपको किडनी का काम प्रभावित हो सकता है। इसकी कमी से आपको शरीर में दर्द, जकड़न, थकान और हड्डियों में दर्द की शिकायत हो सकती है। इसके अलावा इससे आपके दांत और मसूड़ें भी कमजोर हो सकते हैं। इसकी कमी को पूरा करने के लिए आप चिकन, मछली, लौकी, बादाम, दाल, नट्स, दूध और अंकुरित अनाज का सेवन कर सकते हैं। इससे हड्डियों से संबंधित परेशानी नहीं होती है।

3. मैग्नीज

मैग्नीज भी आपकी सेहत के लिए एक महत्वपूर्ण मिनरल्स में से एक है। इसकी कमी से आपका पाचन तंत्र प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा आपकी याददाश्त कमजोर हो सकती है। इससे हार्ट अटैक, हाई ब्लड प्रेशर और हड्डियों से संबंधित बीमारियों का खतरा रहता है। इसलिए आहार में मैग्नीज की सही मात्रा लेना भी बहुत जरूरी है। मैग्नीज के सेवन के लिए आप आहार में मोटे अनाज, किशमिश, चाय और कॉफी आदि शामिल कर सकते हैं।

4. जिंक

जिंक आपके इम्यून सिस्टम के लिए बहुत जरूरी होता है। आपकी हेल्थ के लिए काफी जरूरी मिनरल होता है। इससे आपकी मेंटल हेल्थ और तंत्रिका तंत्र बेहतर ढंग

से काम करती है। इससे आपके बाल भी कम टूटते हैं और बालों की समस्या दूर हो सकती है। इसे आप आसानी से अपनी डाइट में शामिल करके आपने बालों को सुंदर और घना बना सकते हैं। इसके लिए आपको मूंगफली, अंडे की जर्दी, मशरूम, दाल और फलियों का सेवन करना चाहिए।

5. सल्फर

सल्फर हमारे शरीर और बालों के लिए काफी जरूरी होता है। सल्फर हमारे सेल्स में भी मौजूद होते हैं। सल्फर आपके शरीर को डिटॉक्स करने और खून की गंदगी साफ करने में आपकी मदद कर सकता है। इसकी कमी से आपको आलस, डिहाइड्रेशन और काम न करने की इच्छा हो सकती है। इसके लिए आप खाने में साबुत दाल, अदरक, ब्रोकली, मूली, प्याज, सोयाबीन और अंडे को शामिल कर सकते हैं।

6. मैग्नीशियम

हमारे शरीर में मैग्नीशियम, कैल्शियम के साथ मिलकर काम करता है। आपके पाचन तंत्र, ब्लड शुगर को एनर्जी में बदलने, दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। हड्डियों को भी मजबूत बनाने के लिए ये काफी जरूरी होता है। इसकी कमी से आपको अनिद्रा, सिरदर्द, मसल्स पेन, हृदय समस्याएं और याददाश्त कमजोर हो सकती है। इसके लिए आप आहार में हरी पत्तेदार सब्जियां, सूरजमुखी के बीज, ब्राउन राइस, पालक, बादाम, दलिया और दही का सेवन कर सकते हैं।



कम नींद के कारण स्किन और बालों पर भी पड़ता है बुरा असर, जानें कैसे

स्ट्रेज में देखने को मिलता है। जब आप छोटे होते हैं, तो आपको पढ़ाई और रिजल्ट्स की चिंता होती है। फिर जब थोड़े बड़े होते हैं, तो कॉलेज में दोस्तों के समाने अच्छा दिखने की होड़ आपको परेशानी करती है और फिर काम और परिवार का बोझ आपको स्ट्रेस में डाल सकता है। ऐसे तो स्ट्रेस आपको काफी परेशान कर सकता है। साथ ही आपकी सेहत के लिए भी ये काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है। लेकिन, आपको इससे निकलने का तरीका आपको आना चाहिए क्योंकि अगर काम और तनाव के चक्कर में न केवल आपकी सेहत खराब हो सकती है बल्कि आपकी स्किन और बालों के लिए भी हानिकारक हो सकता है। काम का तनाव या किसी भी तरह का तनाव लेने पर आपके बाल तेजी से झड़ने लगते हैं। इसके अलावा स्किन पर कील-मुहांसे, दाने, झड़नेस, रिकल्स और दाग-धब्बे होने लगते हैं। इससे आपकी स्किन खराब हो सकती है। तनाव के कारण आपके शरीर में हार्मोनल परिवर्तन भी हो सकता है और इससे आपके बाल और स्किन अंदरूनी रूप से खराब हो सकते हैं। फिर इसे रिपेयर करने के लिए आपको काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है इसलिए आपको अपने काम और अन्य बातों का स्ट्रेस अधिक नहीं लेना चाहिए। आइए इसके नुकसान और उपायों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

तनाव आपको जिंदगी के हर तनाव का स्किन पर असर

1. एक्ने

कई लोगों को आपने देखा होगा कि जब आप काम या निजी जीवन का बहुत अधिक स्ट्रेस लेते हैं। उनके चेहरे पर एक्ने और कई दाने नजर आने लगते हैं। इसके अलावा अगर आप पढ़ाई या किसी भी कारण से कम सो रहे हैं, तो आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि स्लीप साइकल बिगड़ने से आपके चेहरे का रंग खत्म हो जाता है और चेहरे पर एक्ने निकलने लगते हैं। साथ ही इसके दाग-धब्बे भी आपके चेहरे की खूबसूरती खराब कर सकते हैं। इसके लिए आपको अच्छे से सोने और तनाव कम लेने की जरूरत होती है।

2. डार्क सर्कल्स

जब हम बहुत अधिक तनाव लेते हैं, तो हमारी नींद प्रभावित होती है। इससे आपकी आंखों के नीचे की मसल्स कमजोर हो सकती है और उनपर दबाव भी अधिक बढ़ जाता है, जिससे आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स की परेशानी हो सकती है। इससे आपकी आंखें सैगी आइज, फाइन लाइन्स, स्किन में स्टिफनेस और पिगमेंटेशन की परेशानी हो सकती है। इससे आपकी आंखों की खूबसूरती खराब हो सकती है। साथ ही इससे आपका चेहरा उदास नजर आने लगता है। इससे बचने के लिए आप रातों में आंखों के नीचे खीरा, मसाज और टी बैन्स रखकर अच्छे से सो सकते हैं। इससे आपकी स्किन को लाभ मिल सकता है।

3. स्किन झड़नेस

स्किन का असर आपके चेहरे के हाइड्रेशन और नैस्रिमेंट पर भी असर पड़ सकता है। आपकी स्किन डल और बेजान नजर आ सकती है। इससे स्किन की फ्लक्सिबिलिटी जाने लगती है और स्किन ड्राई और खराब नजर आने लगती है। इसके अलावा इन सभी कारणों से आपका आत्मविश्वास भी खराब होने लगता है।

4. बालों का झड़ना

नींद कम लेने या अधिक तनाव लेने के कारण हेयर फॉलिकल सक्रिय नहीं हो पाते हैं। जिसके कारण रोजाना आपके बहुत बाल टूटते हैं। इससे स्केल्प में दर्द और बालों में तेज खिंचाव आता है। इसके कारण रोजाना 100 से अधिक बाल टूटते हैं। ऐसे हेयर फॉल को टेलोजेन एफ्लुवियम कहते हैं। इस बीमारी में बालों में तेज खिंचाव होता है। तनाव और चिंता के कारण न केवल सिर के बाल टूटते हैं बल्कि भीहों और पलकों के बाल भी तेजी से टूटते हैं। इसके कारण कई लोगों को गंजेपन की भी परेशानी हो सकती है। इम्यून सिस्टम कमजोर होने के कारण भी आपको परेशानी हो सकती है।

5. बालों का सफेद होना

कम सोने के कारण आपके बाल तेजी से सफेद हो सकते हैं। छोटी उम्र में भी आपके सारे बाल सफेद हो सकते हैं। ये परेशानी ज्यादातर युवाओं में देखने को मिल रही है। उनकी अस्त-व्यस्त दिनचर्या के कारण उनकी जीवनशैली खराब हो जाती है और स्लीप साइकल भी बिगड़ जाता है, जिससे उनके बाल तेजी से सफेद और झड़ने लगते हैं।

यूरिक एसिड कंट्रोल करने के लिए ऐसे खाएं अखरोट, मिलेगा फायदा

शरीर में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ने पर मरीजों को कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यूरिक एसिड को कंट्रोल में रखने के लिए खानपान और लाइफस्टाइल का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। यूरिक एसिड का स्तर बढ़ने से जोड़ों में दर्द, सूजन और बैठने-उठने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। शरीर में यूरिक एसिड को कंट्रोल में रखने के लिए आपको सबसे पहले अपनी डाइट और लाइफस्टाइल का ध्यान रखना चाहिए। शरीर में प्यूरिन नाम के केमिकल का ब्रेकडाउन होने पर शरीर में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है। इसकी वजह से मरीज को गठिया, जोड़ों में दर्द और सूजन जैसी गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं। शरीर में यूरिक एसिड का स्तर कंट्रोल में रखने के लिए अखरोट का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। अखरोट में मौजूद पोषक तत्व और गुण यूरिक एसिड को कंट्रोल करने का काम करते हैं। अगर आपके भी शरीर में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ गया है तो आप अखरोट का सेवन कर सकते हैं।

यूरिक एसिड बढ़ने के लक्षण

आमतौर पर शरीर में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ने पर जोड़ों में दर्द, गठिया की समस्या और सूजन आदि हो सकती



है। मरीजों में शुरुआत में यूरिक एसिड बढ़ने के कोई खास लक्षण दिखाई नहीं देते हैं लेकिन जैसे-जैसे यह समस्या बढ़ती है इसके लक्षण भी दिखने शुरू हो जाते हैं। यूरिक एसिड बढ़ने पर पेशाब करने में दिक्कत जैसी परेशानियां बढ़ जाती हैं। यूरिक एसिड बढ़ने के ये लक्षण अगर आपको भी दिखाई देते

हैं तो आपको तुरंत डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए-

जोड़ों में दर्द

किडनी से जुड़ी परेशानियां

हाथ और पैर की उंगलियों में सूजन उंगलियों में दर्द

यूरिक एसिड का स्तर कंट्रोल करने के लिए अखरोट के फायदे

यूरिक एसिड को कम करने के लिए रोजाना अखरोट का सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद गुण शरीर में यूरिक एसिड का स्तर कम करने में बहुत फायदेमंद माने जाते हैं। अखरोट में एंटी अक्सिडेंट, पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड, प्रोटीन और कई जरूरी विटामिन्स पाए जाते हैं जो शरीर से यूरिक एसिड को निकालने में बहुत फायदेमंद होते हैं। इसका सेवन गठिया, जोड़ों में दर्द और सूजन की समस्या से जूझ रहे मरीजों के लिए भी फायदेमंद होता है। यूरिक एसिड बढ़ने पर आपको अखरोट का सेवन जरूर करना चाहिए। इसके अलावा रोजाना अखरोट खाने से आपकी सेहत को ये फायदे मिलते हैं-

1. शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाने के लिए रोजाना अखरोट खाना बहुत फायदेमंद होता है। इसमें फॉस्फोरस, पोटेशियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड, कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन और फाइबर पाए जाते हैं।

कोलारस सहकारी बैंक 80.56 करोड़ गबन मामला; कलेक्टर श्री वर्मा ने ली समीक्षा बैठक

आरोपियों पर होना चाहिए सख्त कार्यवाही : कलेक्टर वर्मा

शिवपुरी (राघवकीर्ति)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित शिवपुरी की कोलारस शाखा में हुए 80.56 करोड़ रुपए के बहुचर्चित गबन प्रकरण को लेकर प्रशासन पूरी तरह सख्त हो गया है। इस मामले में अब तक की गई कार्रवाई और आगे की रणनीति पर चर्चा के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस मामले में मुख्य आरोपी चपरासी राकेश पाराशर को सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मिल चुकी है। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने लोक अभियोजन अधिकारी से इस संबंध में विशेष चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि लोक अभियोजन अधिकारी पूरे प्रकरण का गहन अध्ययन करें तथा आरोपी की जमानत रद्द कराने और दण्डियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए न्यायालय में मजबूत पक्ष एवं जवाब प्रस्तुत करने के लिए उचित मार्गदर्शन दें। इसमें पुलिस द्वारा की गई विवेचना और अभी तक की कार्यवाही की जानकारी लोक अभियोजन अधिकारी को दी जाए। यह प्रकरण लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू को भी भेजे जाएंगे। इस



संबंध में भी बैठक में चर्चा की गई |कलेक्टर अर्पित वर्मा ने सहकारी बैंक और कोलारस पुलिस के अधिकारियों से पूरे प्रकरण की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह बेहद गंभीर मामला है।

सहकारी बैंक में हुए गबन के कारण बैंक को भारी वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते आम नागरिकों और खाताधारकों को उनकी जमा पूंजी समय पर नहीं मिल पा रही है। प्रति सप्ताह मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई सहित अन्य सामान्य दिवसों में भी बड़ी संख्या में नागरिक अपनी जमा राशि की मांग को लेकर पहुंच रहे हैं। आम जनता की इन समस्याओं को देखते हुए कलेक्टर अर्पित वर्मा ने आरोपियों के विरुद्ध हरसंभव कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। क्या है पूरा मामला? डब्ल्यू.डी. है कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की कोलारस शाखा में 80.56 करोड़ रुपए का भारी गबन सामने आया था। मामले की जांच के लिए एक विशेष दल का गठन किया गया था। जांच प्रतिवेदन के आधार पर, इसमें लिप्त पाए गए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कोलारस थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी, जिसका प्रकरण वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है। प्रशासन अब इस मामले में कानूनी शिकंजा कसने और खाताधारकों को राहत दिलाने के लिए हरसंभव सख्त कदम उठा रहा है।

किसानों को फसल अवशेष न जलाने की समझाइश

जिले में चौपाल लगाकर किसानों को पराली व नरवाई प्रबंधन के लिए किया जा रहा है जागरूक

ग्वालियर (राघवकीर्ति)। ग्वालियर जिले में नरवाई एवं धान की पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से चौपाल लगाकर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर जिला स्तर से गठित दलों द्वारा मंगलवार को विभिन्न ग्रामों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान चौपाल लगाकर पिछले वर्ष नरवाई एवं पराली जलाने की घटनाओं से प्रभावित ग्रामों में पहुंचकर किसानों को फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने तथा खेतों में आग नहीं लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक कृषि यंत्री तथा विभाग के अधिकारियों ने नरवाई प्रबंधन पर प्रशिक्षण भी दिया।



आशंका रहती है।

धान कटाई के बाद उपलब्ध कृषि यंत्रों से सीधे बोनी करने की सलाह

अभियान के दौरान किसानों को जिले में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों एवं फसल अवशेष प्रबंधन तकनीकों की जानकारी दी गई। किसानों को समझाया गया कि धान की कटाई के बाद खेत में बचे फसल अवशेषों को जलाना भूमि की उर्वरता, पर्यावरण और कृषि उत्पादन की दृष्टि से नुकसानदायक है। नरवाई जलाने से मिट्टी में उपलब्ध जैविक पदार्थ एवं लाभकारी सूक्ष्मजीव प्रभावित होते हैं। इसके अतिरिक्त धुएँ से वायु प्रदूषण बढ़ता है तथा आग अनियंत्रित होने पर आसपास की फसलों, पेड़-पौधों और अन्य संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचने की

किसानों को हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, जीरो टिलेज सीड ड्रिल तथा उपयुक्त सीड-कम-फर्टिलाइजर ड्रिल जैसे कृषि यंत्रों की उपयोगिता के बारे में बताया गया। इन यंत्रों का चयन खेत में बचे फसल अवशेषों की मात्रा, मिट्टी की स्थिति तथा बोई जाने वाली फसल के अनुरूप किया जाना चाहिए। इनके समुचित उपयोग से खेत की अनावश्यक जुताई में कमी लाने, उपलब्ध नमी का बेहतर उपयोग करने तथा समय पर अगली फसल की बोनी करने में सहायता मिलती है। किसानों को बताया गया कि धान की कटाई के बाद खेत में पर्याप्त नमी उपलब्ध होने पर उचित तकनीक से सीधे बोनी करने से भूमि की नमी संरक्षित रखने में मदद मिलती है।

मृदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं लागत में कमी पर विशेष जोर

जिला स्तरीय दलों द्वारा किसानों को नरवाई प्रबंधन के दीर्घकालीन लाभों के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि फसल अवशेषों को जलाने के स्थान पर उनका उचित प्रबंधन करने से मृदा में जैविक पदार्थों के संरक्षण, मिट्टी की संरचना बनाए रखने तथा लाभकारी सूक्ष्मजीवों की गतिविधियों को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है। इसके साथ ही समय पर बोनी, उपलब्ध नमी का बेहतर उपयोग, अनावश्यक जुताई में कमी तथा कृषि कार्यों की लागत घटाने के संभावित लाभों से भी किसानों को अवगत कराया गया।

किसानों को सलाह दी गई कि वे अपने खेत की परिस्थितियों के अनुसार कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों एवं कृषि विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेकर उपयुक्त कृषि यंत्रों और तकनीकों को अपनाएं।

गुना में अवैध मदिरा के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई, 5 लाख रुपये की सामग्री जब्त

40 लीटर हाथ भट्टी मदिरा और 3400 किलोग्राम

गुड़-महुआ लाहन जब्त कर किया नष्ट



गुना (राघवकीर्ति)। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल एवं उपायुक्त संभागी ग्वालियर संदीप शर्मा के निर्देशन में जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन तथा जहरीली शराब के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला आबकारी अधिकारी गुरुप्रसाद केवट के मार्गदर्शन में आबकारी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मंगलवार तड़के ग्राम राजपुरा में दबिश देकर लगभग 5 लाख रुपये मूल्य की अवैध मदिरा एवं लाहन जब्त किया। राघौगाढ़ वृत्त प्रभारी मोहनपीथ शर्मा एवं थाना प्रभारी अजय जाट के

नेतृत्व में टीम ने ग्राम राजपुरा स्थित कंजरों के डेरों पर दबिश दी। तलाशी के दौरान पठार एवं झाड़ियों के बीच छिपाकर रखी गई प्लास्टिक की केनों में हाथ भट्टी मदिरा भरी मिली। इसके अलावा प्लास्टिक के ड्रमों एवं मिट्टी की कनारियों में गुड़-महुआ लाहन पाया गया।

कार्रवाई के दौरान आबकारी विभाग ने 40 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 3400 किलोग्राम गुड़-महुआ लाहन जब्त किया। लाहन के नमूने लेकर शेष सामग्री को मौके पर नष्ट कर दिया गया। पुलिस बल द्वारा भी मदिरा संबंधी सामग्री जब्त की गई। जब्त सामग्री का अनुमानित मूल्य

लगभग 5 लाख रुपये बताया गया है। इस कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34 (1) (क) एवं 34 (1) (फ) के तहत कुल 3 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। आरोपियों की पहचान एवं प्रकरणों में विवेचना की कार्रवाई जारी है।

संयुक्त कार्रवाई में आबकारी आरक्षक दिनेश कुमार राठौर, महिला आरक्षक सुश्री जेम्मा एक्का सहित पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध मदिरा के निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा।

सांस्कृतिक युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

अशोक नगर (राघवकीर्ति)। संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा सांस्कृतिक जिला स्तरीय युवा उत्सव-2026 का आयोजन 28 अक्टूबर को रघुवंशी धर्मशाला वायपास रोड अशोकनगर में किया जायेगा। खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि जिला स्तर पर यह आयोजन 5 विधाओं समूह लोकनृत्य, समूह लोकगीत, पेंटिंग, कविता लेखन एवं नुकड़ नाटक की विद्याओं में संचालनालय से प्रदत्त गाईड लाईन अनुसार किया जाना है।

जन सुनवाई के दौरान सुनी आधा सैकड़ा से अधिक आवेदकों की समस्याएं

दतिया (राघवकीर्ति)। नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु आज मंगलवार को न्यू कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। आयोजित जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर भूपेन्द्र सिंह कुशवाहा द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए आधा सैकड़ा आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निराकरण के लिए निर्देशित किया। अनिराकृत



आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए। जन सुनवाई के दौरान सीईओ जिला जिला पंचायत शीलेन्द्र सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। जन

सुनवाई के दौरान रास्ता अवरुद्ध करने, नाली के पानी की निकासी, वृद्धवस्था पेंशन, सीमांकन, नामांतरण, बटवारा, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, सड़क निर्माण, साफ-सफाई व्यवस्था, खाद्यान वितरण, आर्थिक सहायता, छात्रवृत्ति आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए जिसके निराकरण हेतु कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए तथा कुछ आवेदकों की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया।

॥ जय गणेश ॥
"स्मृतिनिर्वाहकर्मचारीचक्रम्"

रां

॥ राघवकीर्ति ॥
"हमारा एक सम्पदा, हमारा धर्म, हमारा धर्मिय"

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिष से

जानें आपका भविष्य

सटीक कुंडली विश्लेषण एवं आपकी समस्या निवारण के लिए अचूक उपाय, वालसरप दोष, मंगल भात पूजा, श्रीमहामृत्युंजय मंत्र जाप, रुद्राभिषेक, चौासी महादेव पूजन अभिषेक, नव ग्रह शान्ति, सप्तशती पाठ, दुर्गा पाठ, दुर्गा हवन, मूल नक्षत्र शान्ति, वास्तु शान्ति एवं बिना तोड़-फोड़ वास्तु दोष निवारण के लिए प्राणप्रतिष्ठित श्रीयन्त्र सहित विभिन्न कामनाओं की पूर्ति हेतु मंगलकारी यन्त्रों के लिए विश्वस्तनीय

सटिक फलादेश, अचूक उपाय या किसी विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए राज्ञ/अनुष्ठान/दुर्गा पाठ, हवन, पुराण आदि के लिए संपर्क करें

आचार्य राघवकीर्ति गणेश

9755910000
(कृपया मैसेंजर से पूर्व समय लें)
www.jyotishvastu.com

दक्षिणा के लिए PhonePe 8602110000 (Raghavkirti)

प्रमुख

महागणपति आध्यात्मिक मिशन

गण सेना (काउण्डेशन) का लोक कल्याणकारी आध्यात्म प्रकोष्ठ

MIG -A 15/2 महानंदा नगर, चिंताहरण हनुमान मंदिर के पास, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत

- उपलब्धता -

उज्जैन • इंदौर • मोपाल • बैंगलोर • चेन्नई • हैदराबाद • मुम्बई • नई दिल्ली • अहमदाबाद • जयपुर

कलेक्टर श्री सिंह ने एपीसी की बैठक के पूर्व तैयारी के अंतर्गत एजेंडानुसार विभागवार समीक्षा की

उज्जैन (राघवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभा कक्ष में बुधवार 28 अक्टूबर को आयोजित होने वाली कृषि उत्पादन आयुक्त (एपीसी) की संभागीय बैठक की पूर्व तैयारी के अंतर्गत एजेंडानुसार विभिन्न विभागों की समीक्षा की। इस दौरान एडीएम अतेंद्र सिंह गुर्जर एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में अब तक 628.8 मिमी वर्षा हुई है। बैठक में रबी वर्ष 2026-27 की फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता पर विस्तृत चर्चा की गई। उर्वरक उपलब्धता की जानकारी देते हुए बताया गया कि गत वर्ष की तुलना में यूरिया एवं डीएपी के उठाव में वृद्धि हुई है। किसानों में जागरूकता के कारण आवश्यकता से अधिक उर्वरक नहीं लिया गया। सहकारी समिति, विपणन संघ एवं निजी संस्थाओं में उर्वरकों के विक्रय एवं उपलब्धता की स्थिति से अवगत कराया गया। अधिक उर्वरक उठाव वाले कृषकों की जानकारी दी गई।

बीज वितरण, फसल बीमा योजना अंतर्गत ऋण एवं अग्रण कृषकों के मूल्यांकन की स्थिति, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य एवं पंजीकृत किसानों की



जानकारी, नरवाई प्रबंधन तथा जैविक प्रमाणित कृषि उत्पादों की स्थिति पर चर्चा हुई।

मृंगफली का उत्पादन क्षेत्र बढ़ा देने की जानकारी दी गई। ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक वितरण में आई कमी तथा ई-वितरण व्यवस्था की जानकारी दी गई। जिले द्वारा दिए जा

रहे सुझावों से भी अवगत कराया गया। बैठक में उद्यानिकी विभाग के अधिकारी द्वारा प्रदेश में क्लस्टर

आधारित उद्यानिकी की स्थिति, प्रेशराइज्ड इरिगेशन सिस्टम, पीएमएफएमई के स्वीकृत प्रकरणों एवं वितरण की

जानकारी दी गई। नवाचार आधारित उद्यानिकी तथा अन्य एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा की गई। सहकारिता विभाग के अधिकारी

द्वारा अल्पावधि फसल ऋण वितरण, नवीन केसीसी जारी करने, कृषकों को वितरित ऋण की वसूली, कचरा योजना के क्रियान्वयन तथा पैक्स

सदस्यता अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई।

पशुपालन (वैटरनरी) विभाग के अधिकारी द्वारा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के अंतर्गत तीनों चरणों में 48,326 गृह भेंट किए जाने की जानकारी दी गई। चौरधारा अभियान की प्रगति से अवगत कराया गया। डॉ. भीमराव कामधेनु योजना के लक्ष्य, पोर्टल पर दर्ज प्रकरण एवं सवितरण की स्थिति बताई गई। आचार्य विद्यासागर गौ पशु चलिता चिकित्सा इकाई, राष्ट्रीय पशुधन मिशन के लक्ष्य एवं वितरण, मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना तथा गोपालकृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना की जानकारी दी गई। मत्स्य विभाग के अधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना, मत्स्यबीज उत्पादन एवं केज कल्चर संबंधी जानकारी दी गई। दुग्ध संघ के अधिकारियों द्वारा सोसाइटियों में वृद्धि, दुग्ध उत्पादन एवं सामग्री के विक्रय की स्थिति, दुग्ध संघ की उपलब्धियाँ तथा सहकारी दुग्ध संघ की भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया गया। जिले की पंचायतों में दुग्ध सहकारी समितियों की स्थिति की जानकारी भी दी गई।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सभी विभागों को एपीसी की संभागीय बैठक की तैयारी पूर्ण करने तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रतलाम मंडल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिलाई सत्यनिष्ठा की शपथ

रतलाम (राघवकीर्ति)। रेल मंत्रालय एवं केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के मार्गदर्शन में आयोजित राष्ट्रव्यापी सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस सप्ताह का उद्देश्य लोक प्रशासन में ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा देना तथा भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति को प्रोत्साहित करना है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रतलाम मंडल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ 26 अक्टूबर, 2026 को मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार द्वारा मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर किया गया। यह सप्ताह 26 अक्टूबर से 1



नवंबर, 2026 तक मनाया जा रहा है। केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निर्धारित इस वर्ष की विषय-वस्तु 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' है। यह विषय नैतिक आचरण, शासन एवं प्रशासन में पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार मुक्त संगठन के निर्माण के लिए सामूहिक

उत्तरदायित्व के महत्व को रेखांकित करती है। शपथ दिलाने से पूर्व मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार ने कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारी सत्यनिष्ठा की शपथ के शब्दों को केवल पढ़ें ही नहीं, बल्कि उसकी भावना से

भी समझें और अपने दैनिक कार्यों एवं व्यवहार में उसका पालन सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) अक्षय कुमार, सहित मंडल के सभी अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

बड़े बकायेदारों से लगातार संपर्क कर वसूली बढ़ाने और व्यावसायिक संपत्तियों से शत-प्रतिशत संपत्तिकर वसूलने के लिए निर्देश संपत्तिकर एवं जलकर वसूली में तेजी लाएं, पेयजल शिकायतों का करें त्वरित निराकरण : अपर आयुक्त श्री सिंह

उज्जैन (राघवकीर्ति)। नगर निगम के अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह एवं उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल द्वारा मंगलवार को विभागीय अधिकारियों के साथ संपत्तिकर, जलकर वसूली एवं पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों को राजस्व वसूली में तेजी लाने, पेयजल संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण करने तथा नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

पेयजल शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें

पेयजल व्यवस्था की समीक्षा के दौरान अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह ने निर्देशित किया कि पेयजल से संबंधित नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। आपने कहा कि नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की जिम्मेदारी है। पीएचई विभाग के अधिकारी, उपयंत्री एवं ठकी प्रभारी नियमित रूप से फील्ड में भ्रमण करें तथा पेयजल लाइनों में



होने वाले लीकेज को चिन्हित कर तत्काल संधारण कार्य करवाएं। पानी के अपव्यय को हरसंभव रोकने के प्रयास किए जाएं।

सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त पेयजल संबंधी शिकायतों का भी संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने तथा अवैध नल कनेक्शनों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बड़े बकायेदारों से संपर्क कर बढ़ाएं राजस्व वसूली

राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान संपत्तिकर अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बड़े बकायेदारों को लगातार चिन्हित करते हुए उनसे संपर्क करें और बकाया राशि की वसूली सुनिश्चित करें। संपत्तिकर वसूली का प्रतिशत बढ़ाने के साथ ही व्यावसायिक संपत्तियों से शत-प्रतिशत संपत्तिकर वसूलने पर विशेष ध्यान दिया जाए। ऐसी आवासीय संपत्तियाँ, जिनका उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है, उन्हें नियमानुसार

व्यावसायिक श्रेणी में दर्ज करते हुए निर्धारित संपत्तिकर की वसूली की जाए। अधिकारियों को राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए नियमित रूप से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में सहायक आयुक्त घनश्याम मचार, कार्यपालन यंत्री राहुल सूर्यवंशी, सहायक यंत्री शिवम दुबे, दिलीप नौधाने, ललित लोधवाल सहित समस्त जून के संपत्तिकर अधिकारी, बिल क्लर्क एवं बिल वितरक उपस्थित रहे।

उज्जैन संभाग में खरीफ 2026 की समीक्षा एवं संभागीय समीक्षा बैठक आज

उज्जैन (राघवकीर्ति)। कृषि उत्पादन आयुक्त, मध्यप्रदेश शासन की अध्यक्षता में खरीफ 2026 की समीक्षा एवं रबी 2026-27 की तैयारी के संबंध में उज्जैन संभाग की संभागीय समीक्षा बैठक बुधवार 28 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक प्रशासनिक संकुल भवन के द्वितीय तल स्थित सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में उज्जैन संभाग के अंतर्गत आने वाले सभी जिले-उज्जैन, मंदसौर, नीमच, रतलाम, देवास, राजापुर एवं अगर-मालवा-के कलेक्टर तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। बैठक का कार्यक्रम विभागवार निर्धारित है। प्रातः 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, सहकारिता विभाग तथा संबंधित संस्थाओं की समीक्षा होगी। अपराह्न 2 बजे से सायं 6 बजे तक पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, मत्स्य कल्याण एवं मत्स्य विभाग तथा संबंधित संस्थाओं की समीक्षा की जाएगी।

कायाकल्प पहल के अंतर्गत जिला चिकित्सालय में विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन



उज्जैन (राघवकीर्ति)। डॉ. विक्रम रघुवंशी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन तथा डॉ. संगीता पल्सानिया, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के मार्गदर्शन में कायाकल्प पहल के अंतर्गत जिला चिकित्सालय, उज्जैन में आज 'विशेष स्वच्छता अभियान' का आयोजन किया गया। अभियान में महापौर मुकेश टटवाल तथा अभय विश्वकर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य चिकित्सालय परिसर एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखना, स्वच्छ व्यवहार को प्रोत्साहित करना तथा जनभागीदारी के माध्यम से

स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना था। कार्यक्रम के दौरान श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता शपथ ली। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चिकित्सालय परिसर के गार्डन में पौधरोपण भी किया गया। आमजन को स्वच्छता एवं साफ-सफाई के प्रति जागरूक करने हेतु नर्सिंग छात्राओं द्वारा नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश प्रसारित किया गया कि स्वच्छता केवल एक दिन का

अभियान नहीं, बल्कि हमारी दैनिक आदत एवं सामूहिक जिम्मेदारी है। चिकित्सालय को स्वच्छ, सुरक्षित एवं रोगी-अनुकूल बनाए रखने के लिए सभी की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है।

कार्यक्रम में डॉ. चिन्मय चिंचोलीकर, आरएमओ, डॉ. निधि जैन, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, श्रीमति हिमांगी चौहान, सहायक प्रबंधक, श्रीमति वर्षा चौहान, सहायक अस्पताल प्रबंधक, सूत्री ज्योति दास एवं सुश्री सोनिका बंडोरे, क्वालिटी टीम तथा जिला चिकित्सालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

निगम अध्यक्ष श्रीमती यादव द्वारा वार्ड 42 में ध्यान एवं योग शोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन संपन्न किया

उज्जैन (राघवकीर्ति)। वार्ड क्रमांक 42 अंतर्गत नगर निगम द्वारा राशी रूपए लगभग 10 लाख की लागत से ध्यान एवं योग शोड निर्माण हेतु भूमि पूजन मंगलवार को निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव जी के मुख्य आतिथ्य एवं हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष ओम जैन, नगर भाजपा

अध्यक्ष संजय अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष मुकेश पोरवाल, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती अंजलि बालकृष्ण पटेल की उपस्थिति में संपन्न किया गया। उल्लेखनीय है कि वार्ड क्रमांक 42 अंतर्गत 36 क्वार्टर एवं दुर्गा माला मंदिर उद्यान में नगर निगम द्वारा निगम मद की राशि रूपए लगभग 10 लाख

की लागत से नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए ध्यान एवं योग करने हेतु शोड का निर्माण किया जाएगा जिससे बारिश, गर्मी इत्यादि में भी नागरिकों द्वारा ध्यान एवं योग किया जा सकेगा। इस दौरान मंडल अध्यक्ष गजेन्द्र खत्री, हर्षवर्धन कुशवाहा, महेश खंडेलवाल, अजय सोनी, राजेंद्र

शर्मा, विपुल नागर, विनय चौहान, अमित पंडिया, प्रशांत सिकरवार, अशोक बंसल, महेश यादव, कैलाश वैद्य, प्रमोद देशपांडे, लक्ष्य शर्मा, श्रीमती सोनू मालवीय, नरेश भवैरिया, राजकुमार टेलर, राजेंद्र बेगड़, कोमल बिलवाल एवं वार्ड के सम्माननीय नागरिक उपस्थित रहे।

बावीसा ब्राह्मण समाज हरदा द्वारा गरबा महोत्सव



इंदौर (राघवकीर्ति)। समाज की हरदा शाखा द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी परिवारीक मिलन व गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें समाज की मातृशक्तियों ने भाग लेकर एक से एक रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में केन्द्रीय समिति के

अध्यक्ष मानवेन्द्र जिवेदी विशेष अतिथि घनेन्द्र शास्त्री डा सुनील शुकला कमलापुर थे हरदा समाज के विनय पांडे संदीप डाले ने सभी समाज जनों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार माना। कार्यक्रम में बेहतरीन प्रदर्शन पर पुरस्कार वितरण भी किया गया।

न्यूनतम दर पर

निविदा/विज्ञप्ति/ज़ाहिर सूचना

जन्मदिन/वैवाहिक वर्षगांठ बधाई संदेश

प्रकाशनार्थ आमंत्रित

शोक संदेश/उदावना सूचना नि:शुल्क

दैनिक

राघवकीर्ति

तेजी से बढ़ता आपका अपना अखबार

Er. चैतन्य कुमार

प्रबंध संपादक (विज्ञापन विभाग)

8602110000

सनातन धर्म नफरत नहीं, भाईचारे और एकता का संदेश देता है : दिग्विजय सिंह

सारंगपुर (राघवकीर्ति)। सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सनातन धर्म, राम मंदिर से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और लोकतंत्र की मजबूती जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखी। पत्रकारों से चर्चा में उन्होंने कहा कि सनातन धर्म भाईचारे, एकता, अखंडता और सभी धर्मों के सम्मान का संदेश देता है। उन्होंने खुद को सनातन धर्म के पक्ष में बताते हुए कहा कि राजनीतिक विरोधी उन्हें हिंदू विरोधी कहते हैं तो कहते रहें, लेकिन उनकी आस्था सनातन धर्म में है। उन्होंने धर्म के नाम पर नफरत फैलाने के बजाय आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता को मजबूत करने पर जोर दिया। यात्रा के दौरान आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकार प्रदीप जैन और सुनील धनगर ने आयोजन की जिम्मेदारी निभाई। इस दौरान दिग्विजय सिंह ने धार्मिक सद्भाव, भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच

सनातन धर्म का संदेश सद्भाव, नफरत नहीं

दिग्विजय सिंह ने कहा कि सनातन धर्म को किसी एक राजनीतिक विचारधारा तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। उनके अनुसार, सभी धर्मस्थलों और धार्मिक आस्थाओं का सम्मान होना चाहिए। उन्होंने हिंदुत्व और सनातन धर्म के बीच अंतर बताते हुए आरोप लगाया कि हिंदुत्व के नाम पर जनता को भ्रमित किया गया और राहुल गांधी के खिलाफ भी नफरत फैलाने की



कोशिश हुई। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य भी समाज से नफरत मिटाकर लोगों को जोड़ना था। उनके मुताबिक,

धार्मिक आस्था का वास्तविक उद्देश्य समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता को बढ़ावा देना है।

राम मंदिर में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच की मांग

राम मंदिर से जुड़े मुद्दे पर दिग्विजय सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोपों का जिक्र करते हुए निष्पक्ष जांच और जवाबदेही की मांग की। उन्होंने कहा कि मंदिर और धार्मिक आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता जरूरी है। धार्मिक स्थलों के प्रबंधन में किसी भी तरह की अनियमितता के आरोप सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े मामलों में भी जवाबदेही तय करने की आवश्यकता बताई। यह आरोपों और उनकी जांच से जुड़ा विषय है, जिस पर संबंधित पक्षों का

जवाब भी महत्वपूर्ण है। 'वोट चोरी' के खिलाफ आंदोलन का आह्वान

पूर्व मुख्यमंत्री ने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और लोकतंत्र की रक्षा को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने 'वोट चोरी' के आरोपों को उभरते हुए लोगों से इसके खिलाफ आंदोलन में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए नागरिकों की भागीदारी जरूरी है। इस दौरान उन्होंने 'मोदी हटाओ, देश बचाओ' का नारा भी दिया और दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के मामलों में छोटी मछलियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, लेकिन बड़े लोगों तक कार्रवाई नहीं पहुंच पाई। उन्होंने पूरे मामले में निष्पक्ष कार्रवाई और जवाबदेही की जरूरत बताई।

बावीसा ब्राह्मण समाज हुआ गौरवान्वित

विश्व ब्राह्मण संघ द्वारा आयोजित परशु - हंस गरबा महोत्सव में प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सहित राशि 21000/- से हुए सम्मानित

इंदौर (राघवकीर्ति)। विश्व ब्राह्मण संघ द्वारा हंसदास मठ में परशु - हंस गरबा महोत्सव के तहत आयोजित प्रतियोगिता में सर्व ब्राह्मण युवा संगठन की अरुण्य इकाई ने जीता प्रथम पुरस्कार इस गरबा टीम की कोरियोग्राफर हमारी कुमारी वर्णी जितेंद्र व्यास सहित बावीसा ब्राह्मण समाज की मातृशक्ति कु. राशि प्रशांत व्यास, श्रीमती शिवानी निखिल दुबे, श्रीमती रश्मि संजय डाले, श्रीमती सन्ध्या आशीष जोशी, श्रीमती प्रणिता प्रशांत व्यास, श्रीमती रचना जितेंद्र व्यास आदि ने प्रतिनिधित्व कर प्रथम पुरस्कार एवं इक्कीस हजार रुपये की सम्मान राशि प्राप्त की।

बता दे इस गरबा महोत्सव में लगभग 35 टीमों ने भाग लिया था, वहीं जितेंद्र व्यास वाली टीम में कुल 25 मातृशक्ति थी इनकी टीम ने लगभग 15 मिनट की प्रस्तुति में 60 विभिन्न स्टेप के साथ अपनी प्रस्तुति दी, इस प्रस्तुति की लगभग एक माह तक कोरियोग्राफर कुमारी वर्णी के मार्गदर्शन में मेहनत की थी।

कुमारी वर्णी ने निश्चित रूप से समाज को गौरवान्वित किया है, समाज संगठन कुमारी वर्णी व्यास के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। इस टीम के अलावा हमारे बावीसा ब्राह्मण समाज की दो अन्य टीमों ने भी प्रतिनिधित्व किया था, एक टीम की टीम प्रभारी डॉ श्रीमती आरती दुबे थी एवं दूसरी टीम की प्रभारी श्रीमती प्रज्ञा श्रीरत्रिय थी।

प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार के अलावा 7 टीमों को 2100/- की सम्मान राशि के साथ सात्वना पुरस्कार दिए गए इन सात टीमों में दो उक्त बावीसा ब्राह्मण समाज की टीम थीं।



कोरियोग्राफर कुमारी वर्णी पिता जितेंद्र व्यास के प्रशिक्षण में

बावीसा ब्राह्मण समाज की दो अन्य टीमों को भी सात्वना पुरस्कार के रूप में मिली 2100/- - 2100/- की राशि

प्रथम एवं सात्वना पुरस्कार प्राप्त करने पर बावीसा ब्राह्मण संगठन इन्दौर ने सभी मात शक्ति को बचाई शुभकामनाएं दी। बावीसा ब्राह्मण समाज हुआ गौरवान्वित कोरियोग्राफर कुमारी वर्णी पिता जितेंद्र व्यास के प्रशिक्षण में विश्व ब्राह्मण संघ द्वारा आयोजित परशु - हंस गरबा महोत्सव में प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सहित राशि 21000/- से हुए सम्मानित

बावीसा ब्राह्मण समाज की मातृशक्ति कु. राशि प्रशांत व्यास, श्रीमती शिवानी निखिल दुबे, श्रीमती रश्मि संजय डाले, श्रीमती सन्ध्या आशीष जोशी, श्रीमती प्रणिता प्रशांत व्यास, श्रीमती रचना जितेंद्र व्यास आदि ने प्रतिनिधित्व कर प्रथम पुरस्कार एवं इक्कीस हजार रुपये की सम्मान राशि प्राप्त की।

बता दे इस गरबा महोत्सव में लगभग 35 टीमों ने भाग लिया था, वर्णी जितेंद्र व्यास वाली टीम में कुल 25 मातृशक्ति थी इनकी टीम ने लगभग 15 मिनट की प्रस्तुति में 60 विभिन्न स्टेप के साथ अपनी प्रस्तुति दी, इस प्रस्तुति की लगभग एक माह तक कोरियोग्राफर कुमारी वर्णी के मार्गदर्शन में मेहनत की थी।

कुमारी वर्णी ने निश्चित रूप से

समाज को गौरवान्वित किया है, समाज संगठन कुमारी वर्णी व्यास के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। इस टीम के अलावा हमारे बावीसा ब्राह्मण समाज की दो अन्य टीमों ने भी प्रतिनिधित्व किया था, एक टीम की टीम प्रभारी डॉ श्रीमती आरती दुबे थी एवं दूसरी टीम की प्रभारी श्रीमती प्रज्ञा श्रीरत्रिय थी।

प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार के अलावा 7 टीमों को 2100/- की सम्मान राशि के साथ सात्वना पुरस्कार दिए गए इन सात टीमों में दो उक्त बावीसा ब्राह्मण समाज की टीम थीं।

प्रथम एवं सात्वना पुरस्कार प्राप्त करने पर बावीसा ब्राह्मण संगठन इन्दौर ने सभी मात शक्ति को बचाई शुभकामनाएं दी।

भैयाजी दाणी सेवा न्यास एवं माँ नर्मदा फाउंडेशन की सराहनीय पहल, मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों का किया अभिनंदन

प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 में 735 विद्यार्थियों की सहभागिता, 71 शिक्षकों का सम्मान



इंदौर (राघवकीर्ति)। भैयाजी दाणी सेवा न्यास (सेवा भारती मालवा प्रांत) एवं माँ नर्मदा फाउंडेशन, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों के सम्मान हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया गया। समारोह में विकासखंड इंदौर के 71 विद्यालयों के कुल 735 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, वहीं 71 शिक्षकों का भी सम्मान कर उनके शैक्षणिक योगदान एवं समर्पण का अभिनंदन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचान देना, उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना तथा समाज में शिक्षा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के महत्व को सुदृढ़ करना रहा।

प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार के अलावा 7 टीमों को 2100/- की सम्मान राशि के साथ सात्वना पुरस्कार दिए गए इन सात टीमों में दो उक्त बावीसा ब्राह्मण समाज की टीम थीं।

समारोह के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश की शैक्षणिक सत्र 2025-26 की कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कक्षा 10वीं में प्रत्येक विद्यालय से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा कक्षा 12वीं में

प्रत्येक विषय में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने की व्यवस्था रखी गई। साथ ही, विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले 71 शिक्षकों का सम्मान कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री माननीय राव उदय प्रताप सिंह, विशेष अतिथि के रूप में इंदौर नगर निगम के महापौर पुष्पमित्र भार्गव एवं क्षेत्र राउ विधायक मधु वर्मा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध शिक्षाविद् अनिल मदान, मुख्य वक्ता के रूप में जनजाति विकास मंच मालवा प्रांत के संयोजक रूपसिंह नागर तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक सहाकरिता समिति, इंदौर के संचालक सोहनलाल परमार ने की।

कार्यक्रम के दौरान आयोजकों रवि भाटिया एवं हंसराज पटेल ने आयोजन की जानकारी साझा करते हुए प्रतिभा सम्मान समारोह के उद्देश्य, विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता तथा शिक्षा एवं संस्कारों के माध्यम से समाज

और राष्ट्र के निर्माण में ऐसे आयोजनों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

मंच संचालन सुश्री सुनयना शर्मा जी ने किया। उन्होंने कार्यक्रम की सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में हरीशचंद्र उपाध्याय जी ने आभार प्रदर्शन करते हुए अतिथियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी व्यक्तियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के प्रति संचालक सोहनलाल परमार जी ने सेवा भारती का परिचय दिया साथ ही कहा कि विद्यार्थियों का सम्मान केवल उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों का अभिनंदन नहीं, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति समाज की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। वहीं शिक्षकों का सम्मान उनके समर्पण, प्रश्रम और विद्यार्थियों के जीवन को दिशा देने वाले महत्वपूर्ण योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है।

भैयाजी दाणी सेवा न्यास एवं माँ नर्मदा फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह समारोह शिक्षा, संस्कार एवं सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की भावना को सशक्त करने की दिशा में एक सराहनीय पहल।

संवाददाता नियुक्त करना है

प्रदेश के समस्त पंचायत स्तर पर संवाददाता/ विज्ञापन प्रतिनिधि नियुक्त करना है।

सम्पर्क

दैनिक राघवकीर्ति

94793 19999

दैनिक राघवकीर्ति

MPHIN/2007/22188

www.raghavakirti@gmail.com

WhatsApp 9755910000

इंदौर (राघवकीर्ति)। देश के सबसे रोमांचक पेट शो में से एक डॉग फेस्ट इंडिया - इंदौर एडिशन 4.0 का आयोजन रविवार, 25 अक्टूबर को ग्रेड ओमनी लॉन्स, इंदौर में उत्साह और शानदार माहौल के बीच संपन्न हुआ। इस आयोजन में लगभग 200 पेट्स और 800 से अधिक पेट लवर्स एवं शहरवासियों ने भाग लिया। 30 से अधिक डॉग ब्रीड्स की मौजूदगी, आकर्षक प्रतियोगिताओं और पेट इंडस्ट्री से जुड़े विभिन्न ब्रांड्स की गतिविधियों ने सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में बेस्ट ऑफ ब्रीड, बेस्ट डॉग इन शो और बेस्ट पपी जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में विभिन्न नस्लों के डॉग्स ने हिस्सा लिया और विजेताओं को ट्रॉफी, सर्टिफिकेट एवं पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। शो में



प्रोफेशनल प्रोटेक्शन डॉग्स एवं डॉग एजिलिटी डेमोंस्ट्रेशन विशेष आकर्षण रहे। पेट फैशन शो, पेट प्ले ज़ोन, फोटो बुथ और विभिन्न पेट ब्रांड्स के स्टॉल्स ने आयोजन को और भी मनोरंजक बनाया। इस अवसर पर, doptvilla के ऑनलाइन पोर्टल का भी शुभारंभ किया गया। इसके संस्थापक श्री अकरम ने बताया कि इस प्लेटफॉर्म

के माध्यम से देशभर के पेट लवर्स को डॉग एडॉप्शन, ब्रीडर वेरिफिकेशन, डॉग एक्सीडेंट सहायता एवं प्रोटेक्शन, शेल्टर होम्स जैसी विभिन्न सुविधाओं से ऑनलाइन जोड़ा जाएगा। इस पहल का उद्देश्य पशु कल्याण और जिम्मेदार पेट ओनरशिप को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में इंदौर के युवाओं, परिवारों और पेट लवर्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पेट्स के लिए विशेष सुविधाओं, स्वास्थ्य जांच, विभिन्न गतिविधियों और बेहतर आयोजन व्यवस्थाओं के चलते डॉग फेस्ट इंडिया 4.0 शहर के सबसे पसंदीदा पेट आयोजनों में से एक बनकर उभरा। डॉग फेस्ट इंडिया के आयोजक एवं बिगशॉट एंटरटेनमेंट्स के संस्थापक देव गुप्ता ने बताया कि

इंदौर एवं अहमदाबाद में सफलतापूर्वक चार शो आयोजित करने के बाद अब डॉग फेस्ट इंडिया को देश के विभिन्न प्रमुख शहरों तक ले जाने की योजना है।

उन्होंने कहा, 'हमारा उद्देश्य डॉग फेस्ट इंडिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर के पेट शो के अनुरूप विकसित करना है, जहां पेट्स और उनके परिवारों के लिए मनोरंजन, सुरक्षा, सुविधाएं और बेहतर अनुभव का पूरा ध्यान रखा जाए। हम चाहते हैं कि देश के हर बड़े शहर के पेट पेरेंट्स को एक ऐसा प्रीमियम प्लेटफॉर्म मिले, जहां वे अपने पेट्स के साथ यादगार समय बिता सकें।' श्री गुप्ता ने आयोजन की सफलता का श्रेय पेट इंडस्ट्री से जुड़े ब्रांड्स, स्पॉन्सर्स, सहयोगी संस्थाओं, पेट कम्युनिटी और इंदौर के पेट लवर्स को देते हुए कहा कि सभी के सहयोग और विश्वास से ही डॉग फेस्ट

इंडिया लगातार एक बड़े प्लेटफॉर्म के रूप में आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध एंकर तान्या नारंग ने किया। वहीं डॉग चैंपियनशिप में INKC से जुड़े जज के अध्यक्ष लोचन खरावाला ने निर्णायक की भूमिका निभाई। डॉग फेस्ट इंडिया 4.0 ने एक बार फिर साबित किया कि इंदौर न केवल स्वच्छता और खानपान, बल्कि पेट लवर्स के उत्साह और बेहतरतरीन आयोजनों के लिए भी अपनी अलग पहचान बना रहा है। आयोजक - बिगशॉट एंटरटेनमेंट्स, इंदौर कार्यक्रम - डॉग फेस्ट इंडिया - इंदौर 4.0 दिनांक - 25 अक्टूबर 2026 स्थान - ग्रेड ओमनी लॉन्स, इंदौर